राजनीतिक तरकस

RNI NO.: DELHIN/2016/70363

देश का सबसे तेज साप्ताहिक

राष्ट्रीय विचार, सटीक समाचार

02

मूल्य : ₹5

■ वर्ष : 01 ■ अंक : 09 ■ पृष्ठ : 08 ■ नई दिल्ली ■ बुधवार ■ 23 नवम्बर, 2022 (23 नवम्बर से 29 नवम्बर 2022) ■ Website: www.rajneetiktarkas.in

ज्ञानोत्सव 2079

विश्व का कल्याण करने वाला मानव बल भारत के पास है: धर्मेंद्र प्रधान

दिल्ली ब्यूरो
Rajneetiktarkas.in

धर्मेंद्र प्रधान

कैलाश सत्यार्थी

अरुण कुमार

अतुल कोठारी

सुभाष सरकार

निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल
बिन निज भाषा-ज्ञान के, मिटत न हिय को सूल।।
अंग्रेज़ी पढ़ि के जदपि, सब गुन होत प्रवीन
पै निज भाषाज्ञान बिन, रहत हीन के हीन।।

आधुनिक हिंदी साहित्य के पितामह कहे जाने वाले भारतेंदु हरिश्चंद्र की यह प्रसिद्ध कविता औपनिवेशिक काल में देशवासियों के भीतर मातृभूमि और मातृभाषा के प्रति सम्मान के लिए रची गई थी। मातृभाषा के महत्व को आजादी के 75 साल बाद भारत सरकार ने भी इसे स्वीकार करते हुए अपनी नई शिक्षा नीति का मुख्य आधार बनाया है। नई शिक्षा नीति के लागू करने के तौर-तरीकों और शिक्षा से आत्मनिर्भर भारत के विषय पर देश की अग्रणी स्वयंसेवी संगठन 'शिक्षा उत्थान न्यास' की तरफ से देश के अग्रणी कृषि शोध संस्थान पूसा में भारत के जाने-माने शिक्षाविदों शिक्षकों के साथ ज्ञानोत्सव 2079 के तहत गहन मंथन किया गया। कई सत्रों में बैठे शिक्षा के इस महाकुंभ के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने कहा कि शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास की राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका है। आने वाले 25 साल देश के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। हम दुनिया की जिम्मेदारी लेने वाले लोग हैं। भारत संपन्न होगा तो विश्व भी संपन्न होगा। विश्व का कल्याण करने वाला मानव बल भारत के पास है। उन्होंने आगे कहा कि एनईपी के कुशल और सफल क्रियान्वयन से हम अपनी वैश्विक जिम्मेदारी पूरा करेंगे। ज्ञानोत्सव का जो स्वरूप आज देखने को मिला है, उससे हम सब का आत्मविश्वास बढ़ा है। न्यास के ज्ञानोत्सव मॉडल और एकल प्रयोगों को राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ावा देने और इंस्टिट्यूशनल में लाने के लिए मैं प्रतिबद्ध हूँ। शिक्षा के सबसे प्रारंभिक चरण बाल वाटिका के पाठ्यक्रम की रूप रेखा का शुभारंभ हमने कर लिया है। ऐसे समय में हम सब की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है।

> “ मातृभाषा के महत्व को आजादी के 75 साल बाद भारत सरकार ने भी इसे स्वीकार करते हुए अपनी नई शिक्षा नीति का मुख्य आधार बनाया है। नई शिक्षा नीति के लागू करने के तौर-तरीकों और शिक्षा से आत्मनिर्भर भारत के विषय पर देश की अग्रणी स्वयंसेवी संगठन 'शिक्षा उत्थान न्यास' की तरफ से देश के अग्रणी कृषि शोध संस्थान पूसा में भारत के जाने-माने शिक्षाविदों शिक्षकों के साथ ज्ञानोत्सव 2079 के तहत गहन मंथन किया गया। ”

प्रधान ने कहा कि प्रधानमंत्री ने कहा है कि भारत की हर भाषा राष्ट्रीय भाषा है। एनईपी में स्कूली शिक्षा के अंतर्गत प्रारम्भिक 3-8 वर्ष के बच्चों के लिए मातृभाषा में पढ़ने का प्रावधान किया गया है। स्थानीय भाषा में पढ़ाई भारतीय शिक्षा पद्धति का अप्लाइड आसपेक्ट है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को अगर हमें जन-जन तक पहुँचाना है तो हमें ग्लोसरी बनाना पड़ेगा। इससे एनईपी के सभी आयाम सहज रूप में लोगों तक पहुँच सकेगा। न्यास जैसे सामाजिक संगठन और समाज ग्लोसरी बनाने का दायित्व लेगा, ऐसी मेरी अपेक्षा है।

शिक्षा के साथ संस्कार संस्कृति और धर्म जुडा है: कैलाश सत्यार्थी

शिक्षा के महत्व एवं इसमें ज्ञानोत्सव की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए नोबेल शांति पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी ने कहा कि ज्ञानोत्सव ज्ञान का उत्सव ही नहीं, यह ज्ञान का यज्ञ है। सात्विक उद्देश्य से किए जाने वाले यज्ञ में सर्वश्रेष्ठ की आहुति देनी होती है। इस ज्ञानोत्सव में आने वाले साधारण कार्यकर्ता नहीं बल्कि आप भारत के निर्माता हैं। भारतीयता मेरी माँ के स्तन से निकले दूध के समान है। स्तन से निकला दूध रक्त का संचार करता है। भारतीय शिक्षा समावेशिता की यात्रा करती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के मूल में सार्वभौमिकता, समता और समग्रता है। विद्या हमारे धर्म का लक्षण हैं। आप सभी श्रेष्ठ भारत के निर्माण में शिक्षा के क्रियान्वयन में भागीदार बने ऐसी आशा करता हूँ।

एक राष्ट्र, एक समाज, और एक संस्कृति भारत की विशेषता: अरुण कुमार

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह अरुण कुमार ने कहा कि पूरे देश में एक निरंतरता है। एक राष्ट्र, एक समाज, और एक संस्कृति भारत की विशेषता है। अब देश में अमृतकाल प्रारंभ हो चुका है। आने वाले 25 वर्षों में इसकी पूर्णता पर भारत का दैदिप्यमान दिखाई देगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति का निर्माण अपने आप में एक संकेत है। परिवर्तन की इच्छा रखिए, परिवर्तन प्रक्रिया के पूर्ण होने के बाद ही परिवर्तन आते हैं। हमें प्रयासों की मात्रा बढ़ानी होगी। कोई भी परिवर्तन जल्दबाजी से नहीं होता, परिणाम अवश्यंभावी है।

देश को बदलने के लिए शिक्षा को बदलाव जरूरी: अतुल कोठारी

ज्ञानोदय की संकल्पना को रखते हुए शिक्षा उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव अतुल कोठारी ने कहा कि शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास समाज के साथ मिलकर राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के लिए प्रतिबद्ध है। ज्ञानोत्सव में न्यास ने शिक्षाविद, विद्यार्थी, अभिभावक, शिक्षक, प्राचार्य, कुलपति तथा शिक्षा के लिए काम करने वाली संस्थाओं को आमंत्रित कर इसे भारत केंद्रित शिक्षा नीति बनाया है। हम शिक्षा और आत्मनिर्भर भारत के लिए इसमें निरंतर चिंतन कर रहे हैं।डॉ. कोठारी ने कहा कि शिक्षा नीति के क्रियान्वयन और आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को साकार करने के लिए ज्ञानोत्सव में चिंतन, मनन और समाधान पर चर्चा होगी। हमारे ध्येय वाक्यों को हम सार्थकता की ओर ले जा रहें हैं। देश को बदलना है तो शिक्षा को बदलना होगा। समाज में परिवर्तन शिक्षा से ही किया जा सकता है। भारत केंद्रित शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के लिए हम कार्य कर रहे हैं। हमें भारत के गांवों, विद्यालयों, महाविद्यालयों तक पहुंचने की योजना बनाना है। उस हेतु राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित इस ज्ञानोत्सव के बाद राज्य तथा नगर स्तर तक ज्ञानोत्सव का आयोजन किए जाने की योजना है।

(शेष पृष्ठ >>3 पर)

राजनीतिक तरकस
देश का सबसे तेज साप्ताहिक
राष्ट्रीय विचार, सटीक समाचार
वर्ष : 01 , अंक : 09, नई दिल्ली, बुधवार, 23 नवम्बर , 2022

संगम विहार से रोड शो कर नड्डा ने दिल्ली चुनाव में किया आगाज

दिल्ली ब्यूरो
Rajneetiktarkas.in

पिछले डेढ़ दशक से नगर निगम की सत्ता पर काबिज भाजपा ने अपनी सत्ता को बरकरार रखने के लिए पूरी ताकत झोंक दी है। नगर निगम चुनावों को पहले ही स्थानीय नेताओं के भरोसे ना छोड़ने का संकेत दे चुकी पार्टी ने अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष की अगुवाई में अपने वरिष्ठ नेताओं की फौज चुनाव प्रचार में उतार दी है। भाजपा के नगर निगम चुनाव में प्रचार का जोरदार आगाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने दक्षिणी दिल्ली के संगम विहार इलाके में रोड शो करके किया। नड्डा के साथ दक्षिण दिल्ली के तेजतर्रार नेता एवं सांसद रमेश बिधूड़ी भी मौजूद थे। रमेश बिधूड़ी ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि` दिल्ली की जनता अरविंद केजरीवाल से थक चुकी है, यह भ्रष्टाचार में डूबी सरकार है। रोड शो में इकट्ठे हुए लोगों की संख्या बताती है कि नगर निगम चुनाव भाजपा जीतने वाली है। वहीं, जेपी नड्डा ने भी भाजपा की जीत का वादा किया।दिल्ली नगर निगम के चुनाव 4 दिसंबर को होने हैं। चुनावी मैदान में भाजपा के दिग्गज उतर चुके हैं। दिल्ली में रविवार को भाजपा के कई वरिष्ठ नेताओं ने नगर निगम चुनाव को देखते हुए रोड शो किया। भाजपा ने दिल्ली नगर निगम चुनाव को फिर से फतह करने के लिए अपने 40 वरिष्ठ नेता मैदान में उतारे हैं। उनमें से कई दिग्गजों ने रविवार को दिल्ली के अलग अलग इलाकों से अपने-अपने रोड शो का आगाज कर दिया।

दरअसल गुजरात और दिल्ली नगर निगम में दोनों जगह से भाजपा को सत्ता से रुखसत कर राजनीति में अपना सिक्का चलाने की फिराक में लगी आम आदमी पार्टी के सपनों को चूर करने के लिए भाजपा ने दोनों ही जगहों पर अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। गुजरात में तो किसी भी राजनीतिक विश्लेषक को आम आदमी पार्टी की अधिक सफलता की उम्मीद नहीं है लेकिन दिल्ली की सत्ता में दो बार जोरदार ढंग से कब्जा जमाने वाली आम आदमी पार्टी को इस बार निगम की सत्ता का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। परंतु भाजपा ने जिस तरह से कुडे के पहाड़ साफ सफाई निगम में व्याप्त अनियमितता को दरकिनार कर चुनाव को भ्रष्टाचार पर केंद्रित कर दिया। भाजपा ने उस पार्टी के खिलाफ भ्रष्टाचार के एक के बाद एक शराब घोटाला, शिक्षा घोटाला, क्लासरूम घोटाला, और उसके बाद नगर निगम चुनाव में टिकट बेचने का का मामला को जोर-शोर से उठाना शुरू कियो जिसका जन्म भ्रष्टाचार के खिलाफ पनपे जनाक्रोश के फलस्वरुप हुआ था। देखा जाए तो भाजपा ने आम आदमी पार्टी की कोर वैल्यू पर ही प्रहार कर दिया। हालांकि आम आदमी पार्टी इसे भाजपा की मनोहर कहानियां बताकर की सिरे से खारिज करने की पुरजोर कोशिश कर रही है लेकिन यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा कि भाजपा का करप्शन वाला वार भारी पड़ता है या आम आदमी पार्टी की मनोहर कहानियों का दांव।

हरियाणा के झज्जर में खुलेगा आईआईटी दिल्ली का एक्सटेंशन कैंपस

हरियाणा के झज्जर जिला के गांव बाढ़सा में लगभग 50 एकड़ भूमि पर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली का एक्सटेंशन सेंटर स्थापित होगा। कैंपस में एमएससी, पीएचडी के अलावा विभिन्न प्रकार के सर्टिफिकेट कोर्स भी करवाए जाएंगे। विशेष कोर्सों और ट्रेनिंग प्रोग्राम से युवाओं की स्किलिंग होगी।

सेंटर की स्थापना को लेकर हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने रविवार को दिल्ली स्थित हरियाणा भवन में आईआईटी दिल्ली के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव वी उमाशंकर, तकनीकी शिक्षा तथा उच्चतर शिक्षा विभागों के प्रधान सचिव विजयेंद्र कुमार, महानिदेशक राजीव रतन के अलावा आईआईटी दिल्ली के निदेशक प्रोफेसर रंगन बेनर्जी व डीन तथा अन्य प्रोफेसरगण उपस्थित रहे।

बैठक में मुख्यमंत्री ने गांव बाढ़सा में आईआईटी दिल्ली के एक्सटेंशन सेंटर की स्थापना को मंजूरी दी और आईआईटी दिल्ली की टीम को आश्वस्त किया कि इस मामले में हरियाणा सरकार उन्हें पूरा सहयोग देगी। उन्होंने कहा कि बाढ़सा में स्थित राष्ट्रीय कैंसर संस्थान से मिलने वाले मरीजों के डाटा और स्वस्थ्य विज्ञान का आईआईटी दिल्ली की टेक्नोलॉजी के समावेश से नई हेल्थ केयर प्रौद्योगिकियां विकसित होंगी। इससे मरीजों के साथ-साथ खिलाड़ियों को भी लाभ मिलेगा। इस कैंपस में एमएससी, पीएचडी के अलावा विभिन्न प्रकार के सर्टिफिकेट कोर्स भी करवाए जाएंगे। इन विशेष कोर्सों और ट्रेनिंग प्रोग्राम से युवाओं की स्किलिंग होगी और स्थानीय युवाओं के लिए विभिन्न प्रकार के रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि इस कैंपस में खिलाड़ियों को और बेहतर प्रदर्शन करने में मदद देने के लिए स्पोर्टस में बेहतर प्रदर्शन और चोटिल होने से बचाने की तकनीक भी विकसित की जाएगी। उन्होंने कहा कि हरियाणा के खिलाड़ी पहले ही राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और जब उन्हें तकनीकी मदद मिलेगी तो वे और भी बेहतर प्रदर्शन कर पाएंगे। यह तकनीक हमारे पैरालंपिक खिलाड़ियों के लिए बेहद उपयोगी सिद्ध होगी। मुख्यमंत्री ने खिलाड़ियों के लिए विकसित की जाने वाली तकनीक और शोध को स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी राई (सोनीपत) के साथ तालमेल करके विकसित करने का सुझाव दिया ताकि खिलाड़ी उसका ज्यादा लाभ उठा सकें।

बैठक में आईआईटी दिल्ली के निदेशक प्रोफेसर रंगन बनर्जी ने बताया गया कि इस कैंपस में निर्माण, एकेडमिक प्रोग्राम तथा राष्ट्रीय कैंसर संस्थान के मरीजों पर फोकस करते हुए रिसर्च और डिजाइन फैसिलिटी आदि विकसित करने में लगभग तीन वर्ष का समय लगेगा। इस सेंटर में आर एंड डी फैसिलिटी, स्टार्ट अप, अन्य बीमारियों के लिए विस्तार के कार्यों आदि में 3 से 5 वर्ष का समय लग सकता है। स्पोर्टस इंजरी और प्रिसिजन मेडिसिन के लिए रिसर्च में 5 वर्ष से अधिक का समय लगने की संभावना है।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक जितेंद्र तिवारी द्वारा इंप्रेशन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18/19/20, सी ब्लॉक, सेक्टर 59, नोएडा, उ.प्र.-201301 से मुद्रित तथा ई632/7 सी संगम विहार साउथ दिल्ली -110080 से प्रकाशित। प्रकाशित लेखों से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र दिल्ली होगा। प्रधान संपादक : **जितेंद्र तिवारी** प्रबंध संपादक :**राजेश तिवारी**
RNI NO.: DELHIN/2016/70363 Email:tarkasnews@gmail.com Mob:9990170069 Website: www.rajneetiktarkas.in

राजनीतिक तरकस
देश का सबसे तेज साप्ताहिक
राष्ट्रीय विचार, सटीक समाचार
वर्ष : 01 , अंक : 09, नई दिल्ली, बुधवार, 23 नवम्बर , 2022

स्कूलों से पड़ रही आत्मनिर्भरता की नींवे

दिल्ली ब्यूरो
Rajneetiktarkas.in

2009 में आई हिंदी की एक मशहूर फिल्म 3 ईडियट्स का एक मशहूर डायलॉग है सफलता के पीछे मत भागो काबिल बनो काबिलियत होगी तो सफलता झख मारके तुम्हारे पास आएगी। देश के अग्रणी कृषि अनुसंधान संस्थान पूसा नई शिक्षा नीति को लागू करने के तौर-तरीकों पर आयोजित तीन दिवसीय मंथन के दौरान देश भर के कोने-कोने से आए स्कूल से लेकर के विश्वविद्यालय के छात्रों ने आत्मनिर्भर भारत की अद्भुत संकल्पना प्रस्तुत की।

नए भारत के ये दक्ष छात्र न सिर्फ अपनी परंपरागत शिक्षा के साथ तकनीकी कौशल हासिल करके भविष्य में अपने रोजगार का निर्माण करने के लिए तैयार है बल्कि वह समाज के सशक्तिकरण में भी अपनी भूमिका निभाना नहीं भूलते। आइए अब आपको कुछ ऐसे ही दक्ष छात्रों से आपको रूबरू कराते हैं।

लिटिल फ्लावर पब्लिक स्कूल शाहदरो के छात्र कहते हैं कि वह सिर्फ अपनी पढ़ाई काहे दायित्व नहीं पूरा करते बल्कि स्कूल के सुधि शिक्षकों की अगुवाई में वहां आसपास के इलाकों के गरीब तबकों के बच्चों को भी शिक्षित करते हैं। यही नहीं स्कूल के छात्रों पर पूसा परिषद इस्तेमाल किए गए सपनों से विभिन्न सुगंध के तैयार किए गए साबुन, पुराने कपड़ों से बनाए गए आकर्षक खिलौने और खाने पीने के लिए इन्हीं बच्चों द्वारा तैयार किए गए स्ट्रीट फूड्स लोगों का मन मोह लेते हैं। मजे की बात यह है कि इन वस्तुओं की बिक्री के लिए बस सिर्फ इन छात्रों ने अपने स्टार्टअप्स बनाए हैं बल्कि इनको पंजीकृत करके अपने वेब साइटों के माध्यम से इनका विक्रय भी करते हैं। और बड़ी बात यह है कि इस से प्राप्त होने वाली धनराशि को वह एक ऐसे स्वयंसेवी संगठन को सौंप देते हैं जो निर्धन छात्रों की मदद करता है।

कुछ ऐसी ही तस्वीरे एसडी पब्लिक स्कूल के पवेलियने में भी देखने को मिला। यहां तो महज आठवीं क्लास में पढ़ने वाले छात्रों में दिवाली में प्रयोग हुए मिट्टी के दियों से जहां भगवान शिव की मनमोहक शिवलिंग बनाया था वहीं दूसरी तरफ स्कूल की छात्रों ने दीपावली में बची मोतियों से विशेष अवसरों पर प्रयोग किए जाने वाले सुगंध और आकर्षक कैंडल बनाए थे। यही इन स्कूल के छात्रों ने बचे हुए साबुन का घोल तैयार करके जो लिक्विड सोप बनाया उसकी क्वालिटी की बात ही कुछ निराली थी। स्कूली शिक्षा के दौरान ही एंटरप्रेन्योरशिप स्क्रीन की जो ट्रेनिंग इसी स्कूल में भी जारी है वह न सर सशक्त भारत बल्कि आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा।

राजधानी दिल्ली से सैकड़ों किलोमीटर दूर मध्यप्रदेश के आदिवासी इलाके में चलने वाले आवासीय विद्यालये प्रतिभास्थली स्कूले का चल चरखा सभी के आकर्षण का केंद्र बना हुआ था। महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज की परिकल्पना पर चलने वाले इस स्कूल की खासियत यह है कि यहां पर छात्रों के साथ ही आस-पास के गांव में रहने वाली महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए न सिर्फ उन्हें कतई का प्रशिक्षण दिया जाता है बल्कि चरके पर कपड़ों की बुनाई के प्रशिक्षण से लेकर के उन कपड़ों के इस्तेमाल से विभिन्न प्रकार के वस्त्रों के निर्माण तक का संपूर्ण प्रशिक्षण दिया जाता है। जैन मुनि आचार्य विद्यासागर जी महाराज के शिक्षकों पर चलने वाले इस विद्यालय में करघे के ताने-बाने से बुना से ग्रामीण जीवन का ताना-बाना बुना जा रहा है। इसके अलावा विद्यालय के छात्रों द्वारा बनाई गई फैशनेबल बैकस्प्लैश इत्यादि भी लोगों के आकर्षण का केंद्र बना रहा।

शिक्षा में आया यह परिवर्तन सिर्फ स्कूली शिक्षा तक ही सीमित नहीं है बल्कि उच्च शिक्षा मैं भी यह परिवर्तन देखने को मिलने लगा है। विकसित भारत का आंखों में सपना लिए तकनीकी शिक्षा में राजस्थान के अजमेर के अग्रणी शिक्षा संस्थान आर्यभट्ट कॉलेज आफ इंजीनियरिंग एंड रिसर्च सेंटरे के छात्रों को न सिर्फ तकनीकी शिक्षा दी जाती है बल्कि इसके साथ ही उन्हें दर्शन शास्त्र समाजशास्त्र का ज्ञान देकर के उनके संपूर्ण व्यक्तित्व का विकास किया जाता है।इस अग्रणी शिक्षा संस्थान में एक अनूठी परंपरा ₹गांव की गोद में शुरू की गई है। इसके बारे में जानकारी देते हुए कॉलेज के प्रतिनिधि कहते हैं कि गांव तो हमारी खुद ही माता और हम माता को गोद नहीं ले सकते इसलिए अपने गांव गोद लेने की बजाए इसे गांव की गोद में नाम दिया है। इस कार्यक्रम के तहत कॉलेज के छात्र आसपास के गांव की विद्यार्थियों को गणित अंग्रेजी जैसे विषयों की शिक्षा देने के साथ ही उन्हें तकनीकी प्रशिक्षण भी देते हैं।

ज्ञान उत्सव 2079

अर्जुन राम मेघवाल

राजीव चंद्रशेखर

प्रो दिनेश सकलानी

(पृष्ठ ›› 1 का शेष) सरकार ने जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति बनाई है उसके क्रियान्वयन में समाज की भागीदारी सुनिश्चित करनी होगी। लोकतंत्र में सरकार और समाज मिलकर सामूहिक प्रयास करेंगे तो सफलता निश्चित है।

यह मानव मूल्य आधारित शिक्षा: सुभाष सरकार

ज्ञानोतव के दूसरे सत्र को संबोधित करते हुए शिक्षा राज्य मंत्री सुभाष सरकार ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शिक्षा का लक्ष्य आनंद प्राप्ति और विश्व का संरक्षण है। यह मानव मूल्य आधारित शिक्षा है। इस शिक्षा नीति की आत्मा में मानव की संपूर्ण शिक्षा है। यह क्लासरूम शिक्षा से ऊपर की शिक्षा है। इसमें प्रकृति और संस्कृति के संरक्षण को समाहित किया गया है। इस नीति के क्रियान्वयन में समाज को स्वयं आगे आकर भूमिका निभानी चाहिए। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास द्वारा शिक्षा नीति के क्रियान्वयन तथा आत्मनिर्भर भारत के लिए यह ज्ञानोत्सव आयोजित किया गया है। इसके प्रतिभागी भारतीय शिक्षा के नक्षत्र हें । मैं न्यास का अभिनंदन करता हूं।

दूसरे दिवस के पहले सत्र को संबोधित करते हुए शिक्षाविद डॉ. भूषण पटवर्धन ने कहा कि शिक्षण संस्थान वर्तमान समय में सभी 'तुम से बड़ा मैं' की होड़ में लगे हुए हैं। शिक्षा की इस दौड़ से गुणवत्ता का ह्रास हो रहा है। शिक्षा में शिक्षक की भूमिका महत्वपूर्ण है। शिक्षक को प्रतिबद्धता के साथ चरित्रवान और मूल्य का संरक्षण होना जरूरी है। शिक्षा में मातृभाषा का प्रभाव उसकी संपूर्ण शिक्षा पर पड़ता है। देवभाषा संस्कृति ज्ञान और नवीनता की भाषा है।

एनईपी शिक्षा क्षेत्र का सबसे बड़ा रिफॉर्म :राजीव चंद्रसेखर

तकनीकी शिक्षा के निदेशकों व प्राध्यापकों को सम्बोधित करते हुए केंद्रीय कौशल एवं उद्यमिता राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने ज्ञानोत्सव की बधाई देते हुए कहा कि मॉडर्न इंडिया की हिस्ट्री में पहली बार एक इतना डीप रूटेड एंड रि-इमेजिनेशन भारत को देखने मिला हैं और इसका कारण एजुकेशन हैं। एनईपी 2020 सबसे गहरा रिफार्म हैं फॉर एजुकेशन इन भारत। शिक्षा ही ऐसा माध्यम है जिससे कोई भी देश शक्तिशाली हो जाता है। नई शिक्षा नीति 2020 स्वतंत्रता के बाद सबसे बड़ा रेफ़ोर्म है। इसमें पहली बार विद्यार्थियों के लिए समानांतर कोर्स की व्यवस्था की गई है।

कपड़ों से नहीं चरित्र से जेंटलमैन बने: मेघवाल

ज्ञान के इस महाकुंभ के समापन सत्र के मुख्य अतिथि भारत के संस्कृति राज्यमंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल ने अपने उद्बोधन में कहा-न्यास द्वारा विक्रम संवत 2079 लिखना आत्मनिर्भर भारत बनने की ओर संकेत है। हमारी संस्कृति सूर्योदय देखने की थी पर पश्चिमी संस्कृति ने हमें सूर्यास्त देखने की संस्कृति दी। पर हमारे देश के महापुरुषों ने अंग्रेजी संस्कृति को अधिक समय तक हम पर हावी नहीं होने दिया।हम कपड़ों से जेंटलमैन नहीं बनते, अपितु चरित्र से जेंटलमैन बनते हैं। प्रकृति के साथ जीना ही हमारी संस्कृति है।

समापन सत्र के विशिष्ट अतिथि एनसीईआरटी के निदेशक प्रो. दिनेश सकलानी ने इस ज्ञानोत्सव के कालखंड को अमृत कालखंड कहा। ऐसे विशाल कार्यक्रम में सभी को आहुति देना आवश्यक है, इसलिए भारत भर के शिक्षाविद एकत्र हुए। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि औपनिवेशवादी शिक्षा ने हमारी शिक्षा और संस्कृति की जड़ें हिलाई हैं, उन जड़ों को पुनः सुदृढ़ करने का सार्थक प्रयास इस शिक्षा नीति में है। उन्होंने कहा कि एनसीईआरटी पूरी तरह से एनईपी के लिए समर्पित है।

सांस्कृतिक गुलामी राजनीतिक गुलामी से कहीं अधिक घातक होती है। औपनिवेशिक शिक्षा ने हमें सांस्कृतिक गुलामी प्रदान की है, एनईपी उस गुलामी से मुक्त करने का सार्थक कदम है।

ज्ञानोत्सव में देश के जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के अध्यक्ष जैसे तमाम शिक्षाविदों ने नई शिक्षा नीति के लागू किए जाने के तौर-तरीकों और शिक्षा के माध्यम से छात्रों के सर्वांगीण विकास पर अपने विचार रखें। इज्सके साथ ही शिक्षा नीति, 2020 के विभिन्न पहलुओं पर सार्थक विमर्श हुआ। अनेक सुझाव आये, संस्थाओं द्वारा इस नीति का व्यवहारिक स्तर पर कैसे क्रियान्वयन किया जा रहा है, इस पर अपनी प्रस्तुति दी।

राजनीतिक तरकस
देश का सबसे तेज साप्ताहिक
राष्ट्रीय विचार, सटीक समाचार
वर्ष : 01 , अंक : 09, नई दिल्ली, बुधवार, 23 नवम्बर , 2022

NIA को सौंपा जा सकता है कर्नाटक के मंगलुरु का ऑटो ब्लास्ट केस

कर्नाटक ब्यूरो
Rajneetiktarkas.in

कर्नाटक के मंगलुरु शहर में ऑटो रिक्शा में हुए धमाके की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी यानि NIA को सौंपी जा सकती है। बता दें कि कल ही कर्नाटक के गृह मंत्री और डीजीपी ने मामले में टेरर लिंक की बात कही थी। आज एडीजीपी आलोक कुमार ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के जरिए जांच में पता चला है कि ऑटो के अंदर बैठे यात्री के पास एक बैग था जिसमें कुकर बम था। कुकर बम में विस्फोट के बाद यात्री के साथ-साथ ऑटो चालक भी झुलस गया। ऑटो चालक की पहचान पुरुषोत्तम पुजारी जबकि यात्री की पहचान शारिक के रूप में हुई है।

इस घटना की अधिक जानकारी देते हुए लॉ एंड ऑर्डर एडीजीपी आलोक कुमार ने कहा कि एक यात्री के पास एक बैग था जिसमें कुकर बम था। इसमें विस्फोट हो गया, जिससे यात्री के साथ-साथ ऑटो चालक भी झुलस गया। ऑटो चालक पुरुषोत्तम पुजारी है और यात्री की पहचान शरीक के रूप में हुई है। उन्होंने कहा कि इसके पहले आरोपी के खिलाफ तीन मामले थे। दो मंगलुरु शहर में और एक शिवमोग्गा में मामला चल रहा है। आरोपी पर दो मामलों में यूएपीए के तहत मामला दर्ज किया गया है और तीसरे मामले में वह वांछित है। आरोपी शरीक लंबे समय से फरार चल रहा है।

मिली जानकारी के मुताबिक ब्लास्ट में घायल हुआ और गिरफ्तार संदिग्ध आतंकी मोहम्मद शारिक कट्टरवाद की विचारधारा से बहुत ज्यादा प्रभावित है। वह किसी भीड़-भाड़ वाली जगह पर धमाके को अंजाम देने वाला था, इसके पहले ही ऑटो में प्रेशर कुकर बम फट गया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि शारिक इस्लामिक स्टेटके हेंडलर्स के संपर्क में था और इससे पहले भी शिवमोग्गा में बम ब्लास्ट का ट्रायल कर चुका है।

दिल्ली के बुराड़ी कांड की तर्ज पे उदयपुर में एक ही घर में छह लोगों की लाश बरामद

राजस्थान ब्यूरो
Rajneetiktarkas.in

राजस्थान के उदयपुर में एक परिवार के 6 लोगों की लाशें घर में बिखरी हालत में मिली। माता-पिता और चार बच्चों की लाशें जिस हालात में मिली उसे देखकर तो पुलिसवाले भी दहल गए। वहीं इस सनसनीखेज घटना से पूरे इलाके में दहशत का माहौल बना हुआ है तो जिला प्रशासन में हड़कंप मच गया है। मामला थाना क्षेत्र के झाड़ोली के गोल नेड़ी गांव का है। ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया है। मौत के कारणों का अभी खुलासा नहीं हो सका है। अब तक मिली जानकरी के अनुसार गोगुंदा पुलिस ने बताया कि आज सुबह सूचना मिलने पर मौके पर पुलिस टीम पहुंची। घर का दरवाजा खोलकर देखा तो पुलिस भी हैरान रह गई। कमरे के अंदर चारों तरफ लाशें थीं। पुलिस ने सभी शवों को राजकीय अस्पताल के मुर्दाघर में रखवाया है। घर को सील कर दिया गया है। मौके पर फॉरेंसिंक की टीमें और डॉग स्क्वायड की टीम को भी बुलाया गया और घर की तलाशी ली गई। झाडोली गांव की गोल नेडी ढ़णी निवासी प्रकाश गमेती, उसकी पत्नी दुर्गा एवं उनके बच्चे गणेश (5) पुष्कर (4) रोशन (3) और चार महीने के गंगाराम के शव मकान के अंदर मिले है। घटना की सूचना पर थानाधिकारी गोपाल व्यास, तहसीलदार रविंद्र सिंह चौहान सहित अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। पड़ोसियों ने सुबह प्रकाश के घर के आंगन में कोई हलचल नहीं देख घर के अंदर जाकर देखा तो सभी के होश उड़ गए। दरवाजा खुलते ही चारों तरफ लाशें बिछी हुई थी। प्रकाश और उनकी पत्नी के साथ छोटे बच्चे का शव जमीन पर थे, जबकि तीन बच्चे फांसी पर लटके हुए मिले। इसके बाद ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। बताया जा रहा है कि प्रकाश खाना बनाने का काम करता था लेकिन पिछले चार-पांच महीने से उसका मानसिक संतुलन ठीक नहीं था। पुलिस मामले में जांच कर घटना के कारणों का पता लगाने का प्रयास कर रही हैं।

बता दें कि दो दिन पहले उदयपुर में जंगलों से एक युवती और युवक का नग्न शव भी बरामद किया गया था। दोनो के ही प्राईवेट पार्ट काटे गए थे। कैमिकल तक डाला गया था। युवक सरकारी शिक्षक था और युवती दूसरे समुदाय से थी। पुलिस इनके शव बरामद कर जांच कर रही थी, लेकिन इसी बीच यह दिल दहला देने वाला मामला सामने आ गया। जिससे पुलिस और प्रशासन में हड़कंप मचा हुआ है।

MCD चुनाव से ठीक पहले कांग्रेस को बड़ा झटका

'आप' में शामिल हुए महाबल मिश्रा

दिल्ली ब्यूरो
Rajneetiktarkas.in

पश्चिमी दिल्ली के पूर्व सांसद महाबल मिश्रा आज पहाड़गंज में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की जनसभा के दौरान आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए। महाबल मिश्रा कांग्रेस में रहते हुए दिल्ली विधानसभा में तीन बार विधायक चुने गए थे। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मिश्रा का पश्चिमी दिल्ली, खासकर द्वारका में खासा दबदबा था। उनके बेटे, विनय मिश्रा, कांग्रेस छोड़कर 2020 के दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले अअढ में शामिल हो गए थे और द्वारका निर्वाचन क्षेत्र से जीते थे, जहाँ से उनके पिता विधायक थे। कांग्रेस ने 2020 की शुरूआत में मिश्रा को उनके चुनाव अभियान के दौरान उनके बेटे की मदद करने के आरोप में पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए निलंबित कर दिया था।

सीएम केजरीवाल ने किया स्वागत

सीएम केजरीवाल ने कहा की ह्रदिल्ली में पूर्वांचली समुदाय के बीच लोकप्रिय श्री महाबल मिश्रा का मैं आम आदमी पार्टी में स्वागत करता हूं। हम देश को आगे ले जाएंगे और लोगों के साथ उनके अनुभव का इस्तेमाल करेंगे।

अरविंद केजरीवाल एमसीडी चुनाव अभियान के लिए एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करने

के लिए पहाड़गंज में थे। इसी दौरान औपचारिक रूप से महाबल मिश्रा आप में शामिल हुए।

आम आदमी पार्टी के काम से प्रभावित हुए महाबल मिश्रा

आम आदमी पार्टी में शामिल होने के बाद कांग्रेस के पूर्व सांसद महाबल मिश्रा ने कहा कि बहुत कम समय में आम आदमी पार्टी की सरकार ने जनता के हित में इतनी सारी योजनाएं शुरू की हैं कि उनका सीधा लाभ जनता को मिल रहा है इससे प्रभावित होकर मैंने आम आदमी पार्टी में शामिल होने का फैसला किया है। आपको बता दे की एमसीडी चुनाव के 250 वार्डों के लिए मतदान 4 दिसंबर को होगा और वोटों की गिनती 7 दिसंबर को होगी।

राजनीतिक तरकस
देश का सबसे तेज साप्ताहिक
राष्ट्रीय विचार, सटीक समाचार
वर्ष वर्ष : 01 , अंक : 09, नई दिल्ली, बुधवार, 23 नवम्बर , 2022

गुजरात के लोगों ने भूपेंद्र के नए रिकॉर्ड बनाने का किया है फैसला : मोदी

दिल्ली ब्यूरो
Rajneetiktarkas.in

प्रधानमंत्री नरेन्द्रे मोदी ने शनिवार को कहा कि गुजरात के लोगों ने नरेंद्र के रिकॉर्ड को तोड़ने और भूपेंद्र के नए रिकॉर्ड बनाने का फैसला किया है। श्री मोदी ने आज शाम वलसाड जिले के वापी में रोड शो के साथ प्रचार अभियान की शुरूआत की। उसके बाद वलसाड के ग्रीनवुड झुंझवा गांव में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि गुजरात के लोगों ने नरेंद्र के रिकॉर्ड को तोड़ने और भूपेंद्र के नए रिकॉर्ड बनाने का फैसला किया है। वलसाड के लोगों ने यहां बड़ी संख्या में मौजूद रहकर चुनाव के नतीजों की सिंह गर्जना कर दी है। प्रधानमंत्री आज से तीन दिवसीय गुजरात दौरे पर हैं।

उन्होंने कहा कि यह चुनाव न तो भाजपा लड़ रही है और न ही भाजपा का उम्मीदवार चुनाव लड़ रहा है और न ही मुख्यमंत्री भूपेंद्रभाई चुनाव लड़ रहे हैं और न ही नरेंद्रभाई चुनाव लड़ रहे हैं यह चुनाव गुजरात की जनता लड़ रही है। उन्होंने कहा कि आज मैं अपना कर्तव्य निभाने आया हूं। मैं जनता का सेवक हूं। मैं 22 साल से पालथी मारकर नहीं बैठा हूं। मुझे गुजरात के लोगों पर भरोसा है कि वे भजपा को वोट देंगे। लेकिन मेरा कर्तव्य है कि मुझे आकर कहना पड़ रहा है कि इस बार भजपा को ज्यादा वोट देना।

प्रधानमंत्री ने उन लोगों से सावधान रहने की अपील करते हुए कहा कि चुनाव की बात है इसलिए ध्यान रहे कि गुजरात को बदनाम करने वाला गिरोह ऐसी भाषा बोल रहा है जिससे गुजरात की छवि खराब हो। उन्हें इस भाषा को बंद करने की चेतावनी दें और कहें कि यह भाषा गुजरात में नहीं चलेगी। गुजरात ने दुनिया में किसी का कुछ नहीं बिगाड़ा है। गुजराती जहां भी जाते हैं शक्कर की तरह दूध में मिल

जाते हैं। गुजरात पर आरोप लगाना बंद करो। गुजरात को बदनाम करने वालों के लिए गुजरात में कभी भी काई जगह नहीं है। उन्होंने कहा कि जो युवा पहली बार मतदान करने जा रहे है। आने वाले 25 सालों का गुजरात और भारत उनके मत पर आधार रखेगा।

उल्लेखनीय है कि राज्य के 33 जिलों की कुल 182 विधानसभा सीटों के लिये दो चरणों में चुनाव होगा। राज्य के 89 सीटों पर पहले चरण में एक दिसंबर को तथा शेष की 93 सीटों पर पांच दिसंबर को चुनाव होगा। मतगणना आठ दिसंबर को और मतदान की प्रक्रिया दस दिसंबर को पूरी हो जाएगी। हिमचल प्रदेश में हुए विधानसभा चुनाव की मतगणना भी उसी दिन होनी है। पिछले दो दशक से अधिक समय से गुजरात में भारतीय जनता पार्टी सत्ता में है तथा मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस रही है।आम आदमी पार्टी ने पंजाब चुनाव जीतने के बाद इस बार गुजरात में भी पूरी ताकत लगा दी है जिससे मुकाबला त्रिकोणीय हो सकता है और समीकरण बदलने के आसार दिख रहे हैं।

दिल्ली नगर निगम चुनाव से पहले ही पेश हो जाएगा बजट

नई दिल्ली/ एजेंसी। दिल्ली में इस समय दिल्ली नगर निगम चुनाव को लेकर माहौल गरमाया हुआ है। दिल्ली की एकीकृत हो चुकी एमसीडी का आगामी वित्तीय वर्ष के लिए बजट इसी दिसंबर में नए मेयर के चुने जाने और सभी कमिटियों के गठित होने से पहले ही पेश कर दिया जाएगा। बजट के मद्देनजर एमसीडी में सभी तैयारियां करीब एक महीने पहले से शुरू हो चुकी हैं। इसे इसी सप्ताह अंतिम रूप दिया जाएगा। इसके बाद निगम कमिश्नर ज्ञानेश भारती आगामी वित्तीय वर्ष के लिए बजट विशेष अधिकारी अश्विनी कुमार के सामने रखेंगे।

एमसीडी आयुक्त विशेष अधिकारी के समक्ष पेश करेंगे बजट

दिल्ली में इन दिनों एमसीडी चुनावों को लेकर चहल-पहल काफी बड़ गई है। आज संडे के दिन से सभी राजनीतिक दलों की ओर से प्रचार भी पूरे जोर-शोर के साथ शुरू कर दिया गया है। इस बीच जानकारी निकलकर सामने आ रही है कि 7 दिसंबर को एमसीडी चुनाव के

नतीजे आने के बाद पार्षदों के शपथ ग्रहण और मेयर समेत तमाम पदों पर नियुक्तियों से पहले ही एमसीडी का आगामी वित्तीय वर्ष का बजट कमिश्नर ज्ञानेश भारती की ओर से विशेष अधिकारी अश्विनी कुमार के सामने पेश कर दिया जाएगा। एमसीडी में वित्तीय बजट की डेडलाइन की तारीख पहले से तय होती है। जिसे बदला नहीं जा सकता है। न ही बजट को देरी से प्रस्तुत किया जा सकता है। एमसीडी में मेयर और तमाम कमेटियों का गठन न होने के चलते इस बार बजट को कमिश्नर विशेष अधिकारी के सामने प्रस्तुत करेंगे।

1996 के बाद ऐसा पहली बार होगा

एमसीडी कमिश्नर ज्ञानेश भारती केंद्र की ओर से नियुक्त किए गए विशेष अधिकारी अश्विनी कुमार के सामने एमसीडी का बजट प्रस्तुत करेंगे। इस बजट के अंदर 2022-23 में हुए खर्चों वाले संशोधित बजट का ब्यौरा दिया जाएगा। वही 2023-24 में निगम के खर्चों को लेकर किस क्षेत्र में कितना व्यय एमसीडी को करना है, उसकी जानकारी दी जाएगी। दिल्ली में एमसीडी के चुनाव 7 दिसंबर को आएंगे। 1996 के बाद यह पहली बार होगा जब बिना पार्षदों की मौजूदगी के बजट को कमिश्नर विशेष अधिकारी के सामने पेश करेंगे।

1996 में जब ऐसा हुआ था उस समय निगम को भंग किया गया था। उस समय भी विशेष अधिकारी के सामने बजट प्रस्तुत किया गया था। एमसीडी के संविधान के अनुसार 10 दिसंबर तक हर हालत में बजट को निगम की स्टैंडिंग कमेटी के सामने पेश करना होता है। इस बार एमसीडी के एकीकरण और नए परिसीमन होने के बाद चुनाव होने के चलते कोई भी पार्षद नहीं है। ऐसे में न तो कोई सदस्य और न ही कोई स्टैंडिंग कमिटी है। सभी संवैधानिक शक्तियां विशेष अधिकारी के पास है, जिसे ध्यान में रखते हुए निगम कमिश्नर की ओर से विशेष अधिकारी के समक्ष ही बजट को प्रस्तुत किया जाएगा।

जुलाई में पेश किया गया था अंतरिम बजट

दिल्ली में एमसीडी के एकीकृत होने के साथ विशेष अधिकारी ओर कमिश्नर के जिम्मेदारी संभालने के बाद इसी साल जुलाई के महीने में अंतरिम बजट भी पेश किया गया था। जिसमें 15,276 करोड़ रुपये के खर्च को मंजूरी दी गई थी। इस बजट में सबसे अधिक राशि 4153 करोड़ रुपये स्वच्छता के लिए निर्धारित की गई थी, साथ ही शिक्षा के लिए भी 2632.78 करोड़ रुपये की अनुमानित राशि प्रस्तावित की गई थी। इसी तरह सामान्य प्रशासन के लिए भी 3225.35 करोड़ और लोक निर्माण विभाग के साथ स्ट्रीट लाइट के लिए 1732.15 करोड़ रुपये की राशि निर्धारित की गई थी।

6
राजनीतिक तरकस
देश का सबसे तेज साप्ताहिक
राष्ट्रीय विचार, सटीक समाचार
वर्ष : 01 , अंक : 09, नई दिल्ली, बुधवार, 23 नवम्बर , 2022

दिल्ली के तिहाड़ जेल में सत्येंद्र जैन को 'मसाज' पर बीजेपी-आप में टकराव

सत्येंद्र जैन को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 30 मई को गिरफ्तार किया था।

तिहाड़ जेल में सत्येंद्र जैन की सेल के सीसीटीवी फुटेज में साफ देखा जा सकता है कि सत्येंद्र जैन बिस्तर पर लेटकर कुछ कागज देख रहे हैं और एक शख़्स उनके पैरों की मालिश कर रहा है।

बता दें कि इस सप्ताह दिल्ली की तिहाड़ जेल के सुप्रिटेंडेट को सत्येंद्र जैन को वीआईपी ट्रीटमेंट देने के आरोप में सस्पेंड कर दिया गया।

सत्येंद्र जैन के वीडियो सामने आने पर बीजेपी ने आम आदमी पार्टी को घेरना शुरू कर दिया है। हालांकि आम आदमी पार्टी ने कहा है कि वो बीमार हैं और डॉक्टरों ने उन्हें फीज़ियोथेरेपी की सलाह दी है।

बीजेपी आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने कहा कि केजरीवाल ने तिहाड़ जेल को मसाज पार्लर में बदल दिया है।

उन्होंने एक ट्वीट में लिखा, अरविंद केजरीवाल ने तिहाड़ को मसाज पार्लर में बदल दिया है। जेल में बंद उनके मंत्री सत्येंद्र जैन को एक मसाज करने वाला मिलेगा, जो जेल के सभी नियमों का उल्लंघन करते हुए, दिल्ली के मुख्यमंत्री से करीबी के कारण कैदी की सेवा करता है। दिल्ली सरकार तिहाड़ जेल का प्रबंधन देखती है। ये भ्रष्टाचारी राजनीति बदलने आए थे।

बीजेपी प्रवक्ता गौरव भाटिया और दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष आदेश गुप्त ने साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस की।

इस दौरान गौरव भाटिया ने आम आदमी पार्टी पर कई गंभीर आरोप लगाए और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को निशाने पर लिया।

गौरव भाटिया ने कहा कि ये वीडियो देखने के बाद कहा जा सकता है कि ये आम आदमी पार्टी नहीं है। ये बदनाम, दाम पार्टी है।

उन्होंने कहा, ₹सत्येंद्र जैन आज जेल में हैं, जेल की कड़ी सुरक्षा को भेदकर, सारे नियम कानून को ताक पर रखकर एक भ्रष्ट मंत्री को जेल में सारी सुविधाएं दी जा रही हैं। जेल में एक कैदी को मसाज दिया जा रहा है। एक भ्रष्टाचारी और कट्टर बेईमान मंत्री जो जेल में है, उसे सारी सुख - सुविधाएं जेल में दी जा रही हैं। केजरीवाल जी, आपने कहा था कि

वीवीआईपी कल्चर को मैं खत्म कर दूंगा लेकिन आप एक आरोपी को ऐशो-आराम दे रहे हैं, ऐसा क्यों है?

बीजेपी के प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने पद के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए कहा कि सत्येंद्र जैन को जेल में ₹सजा नहीं, मजा मिल रहा है।

उन्होंने एक ट्वीट किया, सजा के बजाय सत्येंद्र जैन को वीवीआईपी मजा मिल रहा था। तिहाड़ जेल में मसाज। हवालाबाज, जिसे पांच महीने से जमानत नहीं मिली, उसे हेड मसाज मिल रहा है। आम आदमी पार्टी जेल के नियमों का उल्लंघन कर रही है। इस तरह आधिकारिक पद का दुरुपयोग वसूली और मसाज के लिए हो रहा है। केजरीवाल का शुक्रिया।

कांग्रेस नेता ने कहा 'आप के ठग'

कांग्रेस नेता अलका लांबा ने भी सत्येंद्र जैन के वीडियो पर सवाल उठाए। उन्होंने ट्विटर पर लिखा, ₹आप के ठग दिल्ली की तिहाड़ जेल में वीवीआईपी ट्रीटमेंट और सुविधाओं का लाभ लेते हुए।

एक अन्य ट्वीट में अलका लांबा ने वीडियो जारी करके आम आदमी पार्टी पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि सत्येंद्र जैन को जेल में पांच सितारा सुख सुविधाओं का लाभ मिल रहा है।

उन्होंने केजरीवाल पर निशाना साधते हुए कहा कि वो सत्येंद्र जैन को तुरंत मंत्री पद से बर्खास्त करें।

मनीष सिसोदिया ने किया पलटवार

दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि बीजेपी ने बीते छह महीने से साजिश करके सत्येंद्र जैन को झूठे मुकदमे में फंसा रखा है।

उन्होंने कहा, ₹प्रधानमंत्री हो या जेल में बंद कोई इंसान, बीमार कोई भी हो सकता है। इलाज की जरूरत किसी को भी पड़ सकती है लेकिन किसी की बीमारी पर इस तरह की राजनीति करना बीजेपी का बेहद घटिया काम है।

मनीष सिसोदिया ने कहा कि जेल में रहने के दौरान सत्येंद्र जैन गिर गए थे जिससे उनकी रीढ़ की हड्डी में चोट लगी है। उनको अस्पताल में एडमिट कराया गया था और उनकी दो सर्जरी की गई हैं। ऑपरेशन करके नर्व ब्लॉक डाला गया और डॉक्टरों ने रिपोर्ट में लिखकर दिया है कि उन्हें रेगुलर फीजियोथेरेपी की जरूरत है।

सिसोदिया ने कहा, बीजेपी एमसीडी और गुजरात में चुनाव हार रही है इसलिए सत्येंद्र जैन की बीमारी का मजाक बनाकर चुनाव जीतना चाहती है। इससे घटिया कुछ नहीं हो सकता है। इसकी बीजेपी से उम्मीद नहीं की जा सकती। पहले सत्येंद्र जैन को झूठे केस में फंसाकर जेल में डाल दिया। आप जबरदस्ती उसे जेल में डालकर रखे हुए हैं। जब सारे हथकंडे नाकामयाब हो गए तो अब इलाज के वीडियो वायरल कर रहे हैं।

दिल्ली के उपमुख्यमंत्री ने कहा कि देश की किसी जेल का वीडियो देख लीजिए। कानून में यह प्रावधान है कि बीमार आदमी को इलाज दिया जाएगा।

उन्होंने यह भी बताया कि कोर्ट ने इस वीडियो के जारी करने पर ईडी को निर्देश दिया था कि वीडियो जारी नहीं किया जाना चाहिए। लेकिन ईडी ने बीजेपी की साजिश के तहत वीडियो लीक किया है। ये वीडियो गैऱकानूनी तरीके से लीक किया गया है।

ईडी ने कोर्ट में लगाए थे आरोप

पिछली सुनवाई में कोर्ट में ईडी की ओर से पेश हुए एडिशनल सॉलिसीटर जनरल एसवी राजू ने आरोप लगाया था कि सत्येंद्र जैन को जेल में विशेष सुविधाएं मिलती हैं।

उन्होंने कोर्ट से कहा, अज्ञात लोग जैन के पैरों पर मालिश करते देखे गए हैं। ऐसे वक़्त पर देखे गए जब मिलने का निर्धारित समय भी नहीं था। उन्हें विशेष खाना भी उपलब्ध कराया गया।

ईडी के वकील ने कोर्ट में सत्येंद्र जैन के कुछ वीडियो भी साझा किए थे।

आम आदमी पार्टी का आरोप है कि बीजेपी ने ईडी से यही वीडियो लेकर लीक किए हैं।

सत्येंद्र जैन पर क्या है मामला?

ईडी ने दिल्ली में सत्येंद्र जैन से जुड़े ठिकानों पर छापेमारी के बाद 30 मई को उन्हें गिरफ़्तार कर लिया था।

दिल्ली के गृह और स्वास्थ्य विभाग के अलावा सत्येंद्र जैन के पास ऊर्जा, लोक निर्माण विभाग, उद्योग, शहरी विकास, बाढ़ और सिंचाई और जल संसाधन जैसे विभागों की जिम्मेदारी है।

सीबीआई ने सत्येंद्र जैन के खिलाफ 25 अगस्त, 2017 को पैसे के अवैध लेन-देन का मामला दर्ज किया था। इसी एफआईआर के आधार पर ईडी ने भी जैन के खिलाफ केस दर्ज किया था। साल 2018 में ईडी ने इस केस के सिलसिले में उनसे

ईडी का आरोप है कि सत्येंद्र जैन अपनी शेयर होल्डिंग वाली इन चार कंपनियों में निवेश किए गए पैसे का स्रोत नहीं बता सके।

सत्येंद्र जैन तिहाड़ वीडियो

भाजपा ने केजरीवाल की चुप्पी पर सवाल उठाया

नई दिल्ली/ एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उन वीडियो पर आम आदमी पार्टी के संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की चुप्पी पर शनिवार को सवाल उठाया जिनमें तिहाड़ जेल में बंद मंत्री सत्येंद्र जैन जेल कोठरी में कथित तौर पर मालिश कराते और आगंतुकों का स्वागत करते दिखते हैं।

भाजपा के प्रवक्ता गौरव भाटिया ने सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो का हवाला देते हुए कहा आम आदमी पार्टी (आप) स्पा और मसाज पार्टी बन गई है। उन्होंने केजरीवाल को जेल में जैन के आचरण की व्याख्या करने की चुनौती दी।

भाटिया ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, केजरीवाल अब कहां छिपे हैं। जैन नियमों और जेल कानूनों का उल्लंघन करते हुए अपनी कोठरी में मालिश कराते और आगंतुकों से मिलते देखे जा सकते हैं। जेल में यह वीवीआईपी संस्कृति लोकतंत्र के लिए खतरनाक है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल ने जैन को पांच महीने से अधिक समय तक सलाखों के पीछे रहने के बावजूद अपनी सरकार में मंत्री पद से नहीं हटाया है।

जैन प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दर्ज धनशोधन मामले में वर्तमान में तिहाड़ जेल में बंद हैं। एजेंसी ने इस महीने की शुरूआत में एक अदालत को सूचित किया था कि मंत्री जेल में मालिश करा रहे हैं और अन्य सुविधाओं का लाभ ले रहे हैं। भाटिया ने आरोप लगाया कि वीडियो में जैन के जेल की कोठरी में आगंतुकों से मिलते और उनके साथ चर्चा करते हुए दिखने से संकेत मिलता है कि सबूतों के साथ छेड़छाड़ की जा रही है।

राजनीतिक तरकस
देश का सबसे तेज साप्ताहिक
राष्ट्रीय विचार, सटीक समाचार
7
वर्ष : 01 , अंक : 09, नई दिल्ली, बुधवार, 23 नवम्बर , 2022

बदलेगा नगर निगम चुनाव का समीकरण, महिलाओं का प्रतिनिधित्व होगा अधिक

दिल्ली नगर निगम चुनाव में आदमी पार्टी ने अपने 250 प्रत्याशियों में से 150 महिला उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है। महिलाओं को बड़ी संख्या में उम्मीदवार बनाने में भारतीय जनता पार्टी भी पीछे नहीं है। भारतीय जनता पार्टी ने भी 136 महिला उम्मीदवारों को प्रत्याशी बनाया है। चुनाव में आम आदमी पार्टी और बीजेपी में बेहद नजदीकी मुकाबला देखा जा रहा है। ऐसे माहौल में महिला उम्मीदवारों की भागीदारी भी इस मुकाबले को और भी ज्यादा निर्णायक बना सकती है। इस बार हुए परिसीमन से भी नगर निगम चुनाव पर बहुत बड़ा असर देखने को मिलेगा।

परिसीमन के बाद वाडरें की संख्या कम कर दी गई है। इसका सीधा प्रभाव किसी भी पार्टी

उम्मीदवारों के जीत-हार को भी प्रभावित करेगा और इसके लिए सबसे बड़ा आधार जातीय समीकरण होगा। परिसीमन के बाद कई वाडरें के क्षेत्र बढ़ाए गए हैं और कम किए गए हैं। 2017 की तुलना में परिसीमन के बाद 23 वार्ड में वोटर कम हो गए हैं, जिसमें पश्चिमी दिल्ली संसदीय क्षेत्र के अकेले 7 वार्ड शामिल हैं। इसलिए यह तय है कि परिसीमन के बाद दिल्ली नगर निगम चुनाव वार्ड क्षेत्र जातिय समीकरण, क्षेत्र में वोटरों की संख्या और कार्यकताओं का जमीनी आधार पर मुकाबला काफी रोमांचक होने वाला है। उम्मीदवारों के लिए निर्धारित वार्ड से अपील को वोटों में बदलना भी इतना आसान नहीं होगा।

चुनाव में आम आदमी पार्टी ने 150 महिला उम्मीदवारों को निगम चुनाव के मैदान में उतारा है जिसमें 104 महिलाएं सामान्य वर्ग से और 21 महिलाएं अनुसूचित जाति से आती हैं और बीजेपी ने भी 136 महिलाओं को उम्मीदवार बनाया है। 2017 के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी और आम आदमी पार्टी ने इतने बड़े पैमाने पर महिलाओं को उम्मीदवार नहीं बनाया था। इस बार इन दोनों पार्टियों की महिलाओं को ज्यादा से ज्यादा प्रतिनिधित्व देने की रणनीति कितना काम करेगी, यह तो समय ही बताएगा, लेकिन इससे नगर निगम चुनाव का समीकरण जरूर बदलने वाला है और महिलाओं की भागीदारी इस नगर निगम चुनाव के मुकाबले को और ज्यादा निर्णायक बना देगी

आम आदमी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी ने इस बार नगर निगम चुनाव में पुराने पार्षदों को भी कम टिकट दिया है। बीजेपी की पहली सूची में 232 उम्मीदवारों में से बड़ी संख्या में पुराने पार्षदों का टिकट कटा है। 2017 एमसीडी चुनाव में बीजेपी के जहां 182 पार्षद में से 61 पार्षदों को ही टिकट मिला है, वहीं दूसरी ओर आम आदमी पार्टी ने तो एक को छोड़कर सभी उम्मीदवारों को बदल दिया है। इसके अलावा उन्होंने 5 सालों में जमीन पर उतर कर काम करने वाले कार्यकताओं पर विश्वास जताया है। ज्यादा से ज्यादा नए उम्मीदवारों को टिकट मिलना भी नगर निगम चुनाव के मुकाबले को और रोचक बनाएगा और एक निर्णायक भूमिका निभाएगा।

अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में दिखेगी छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति की झलक

राष्ट्रीय राजधानी के प्रगति मैदान में चल रहे 41वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में 21 नवम्बर को एम्फी थियेटर में सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया जायेगा जिसमें छत्तीसगढ़ की समृद्ध कला और संस्कृति को प्रतिबिम्बित करती लोकनृत्यों का प्रदर्शन किया जायेगा।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सांस्कृतिक संध्या का उदघाटन करेंगे। वह छत्तीसगढ़ पवेलियन का भ्रमण कर स्टालों का अवलोकन भी करेंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री भूपेश बघेल छत्तीसगढ़ पवेलियन का भ्रमण कर स्टालों का अवलोकन करेंगे। छत्तीसगढ़ के पवेलियन में गढ़बो नवा छत्तीसगढ़ की झलक देखने को मिल रही है। पवेलियन में सशक्त ग्रामीण अर्थव्यवस्था व आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते छत्तीसगढ़ को दिखाने का प्रयास किया गया है।

सांस्कृतिक संध्या में छत्तीसगढ़ की पारंपरिक लोक नृत्यों की झलक दिखेगी। इस आयोजन में छत्तीसगढ़ से आए लोक कलाकार गौर नृत्य, परब नृत्य, भोजली नृत्य, गेड़ी नृत्य, सुआ

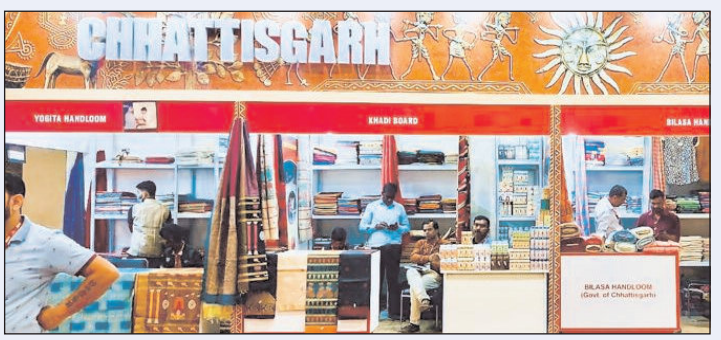

नृत्य, पंथी नृत्य और करमा नृत्य की प्रस्तुति देंगे।

सुआ नृत्य

यह छत्तीसगढ़ का एक और लोकप्रिय लोक नृत्य है जो आमतौर पर गौरा के विवाह के अवसर पर किया जाता है। यह मूलतः महिलाओं और किशोरियों का नृत्य है। इस नृत्य में महिलाएं एक टोकरी में सुआ (मिट्टी का बना तोता) को रखकर उसके चारों ओर नृत्य करती हैं और सुआ गीत गाती हैं। गोल गोल घूम कर इस नृत्य को किया जाता है। तथा हाँथ से या लकड़ी के टुकड़े से ताली बजाई जाती है। इस नृत्य के समापन पर शिव गौरी विवाह का आयोजन किया जाता हैं। इसे गौरी नृत्य भी कहा जाता है।

परब नृत्य

यह नृत्य बस्तर में निवास करने वाले धुरवा जनजाति के द्वारा किया जाता है। यह नृत्य महिला व पुरुष साथ मिलकर बांसुरी, ऑलखाजा तथा ढोल बजाते हुए करते हैं, जिसमें पिरामिड जैसा दृश्य दिखाई पड़ता है। इस नृत्य को सैनिक नृत्य कहा जाता है, क्योंकि नर्तक नृत्य के दौरान वीरता के प्रतीक चिन्ह कुल्हाड़ी व तलवार लिए होते हैं। इस नृत्य का आयोजन मड़ई के अवसर पर किया जाता है।

पंथी नृत्य

यह नृत्य न केवल इस क्षेत्र के लोक नृत्य के सबसे महत्वपूर्ण रूपों में से एक है, बल्कि इसे छत्तीसगढ़ के सतनामी समुदाय का एक प्रमुख रिवाज या समारोह भी माना जाता है। यह नृत्य अक्सर समुदाय द्वारा माघ पूर्णिमा में होने वाले गुरु घासीदास की जयंती के उत्सव के दौरान किया जाता है। लोग इस नृत्य के माध्यम से अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हैं और अपना प्रतिनिधित्व करते हैं। किसी भी नृत्य शैली की तरह, यह भी कई चरणों और पैटर्न का एक संयोजन है। हालाँकि, जो चीज इसे अद्वितीय बनाती है, वह यह है कि यह अपने पवित्र गुरु की शिक्षाओं को दशार्ते हैं।

गेंड़ी नृत्य

यह नृत्य संपूर्ण छत्तीसगढ़ में प्रचलित है,परंतु बस्तर में इसे मुड़िया जनजाति द्वारा सावन माह में हरेली के अवसर पर किया जाता है। यह पुरुष प्रधान नृत्य है, जिसमें पुरुष तीव्र गति से व कुशलता के साथ गेड़ी पर शारीरिक संतुलन को बरकरार रखते हुए नृत्य करते हैं। यह नृत्य शारीरिक कौशल और संतुलन को प्रदर्शित करता है।

करमा नृत्य

एक छत्तीसगढ़ का पारम्परिक नृत्य है। इसे करमा देव को प्रसन्न करने के लिए किया जाता है। इस नृत्य में पारंपरिक पोषक पहनकर लोग नृत्य करते है और छत्तीसगढ़ी गीत गाते है। छत्तीसगढ़ का यह लोक नृत्य आमतौर पर राज्य के आदिवासी समूहों जैसे गोंड, उरांव, बैगा आदि द्वारा किया जाता है। यह नृत्य वर्षा ऋतु के अंत और वसंत ऋतु की शुरूआत को चिह्नित करने के लिए किया जाता है। इस नृत्य प्रदर्शन में गांवों के पुरुष और महिलाएं दोनों भाग लेते हैं। कर्मा नृत्य के लिए कलाकारों की टीम में एक प्रमुख गायक भी होता है।

गौर नृत्य

इस नृत्य को बस्तर में निवासरत मारिया जनजाति के द्वारा जात्रा पर्व के अवसर पर किया जाता है। इस नृत्य में युवक सिर पर गौर के सिंह को कौड़ियों से सजाकर उसका मुकुट बनाकर पहनते हैं । अतः इस नृत्य को गौर नित्य भी कहा जाता है। इस नृत्य में केवल पुरुष भाग लेते हैं। महिलाओं द्वारा केवल वाद्य यंत्र को बजाया जाता है जिसे तिर्तुडडी कहते हैं।

राजनीतिक तरकस
देश का सबसे तेज साप्ताहिक
राष्ट्रीय विचार, सटीक समाचार
वर्ष : 01 , अंक : 09, नई दिल्ली, बुधवार, 23 नवम्बर , 2022

Film fare इवेंट

अवार्ड फंक्शन के दौरान भावुक हुए रणवीर सिंह

फिल्म अभिनेता रणवीर सिंह को हाल ही में दुबई में हुए फिल्मफेयर मिडिल ईस्ट अचीवर्स नाइट 2022 में सम्मानित किया गया। इस दौरान अभिनेता अवार्ड लेते हुए काफी भावुक हो गए। उन्होंने यह अवार्ड अपने माता-पिता को समर्पित किया और अपने संघर्ष के दिनों को याद करते हुए कहा, "12 साल पहले जब मैं पोर्टफोलियो बनाने जा रहा था। हर एक्टर का एक पोर्टफोलियो होता है कि यहां-वहां लेकर जाएंगे, सभी को दिखाएंगे। पोर्टफोलियो कोटेशन आया 50 हजार रुपये। मैंने पापा से कहा ये तो महंगा है। तब पापा ने कहा कि फिक्र मत कर तेरा पापा बैठा है यहां। रणवीर ने ये भी कहा कि मम्मी आपको याद है न कि छोटे वाले घर में मैं कितना बुरा ऑडिशन देता था। और आपकी गोद में सिर रखकर कहा था कि मम्मा मुझे नहीं पता कि मेरा ये सपना कभी पूरा होगा या नहीं।" रणवीर सिंह का यह वीडियो वायरल हो रहा है। वहीं इस वीडियो के सामने आने के बाद सोशल मीडिया यूजर्स इसपर मिलीजुली प्रतिक्रिया दे रहे हैं। एक यूजर ने ट्वीट कर लिखा कि इस बार आपकी लक्ष्मी दीपिका पादुकोण कहाँ है? वहीं एक अन्य यूजर ने लिखा कि ड्रामेबाज। कुछ यूजर्स रणवीर को अवार्ड मिलने की बधाई भी दे रहे हैं। रणवीर के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह जल्द ही रोहित शेट्टी की फिल्म सर्कस में नजर आएंगे। उन्होंने हाल ही में इस फिल्म की शूटिंग पूरी की है।

क्यों भावुक हुए रणवीर ?

रणवीर सिंह ज्यादातर हंसते-मुस्कुराते और मस्ती करते हुए ही देखा गया है इसीलिए उन्हें भावुक देख फैंस भी दुखी हो जाते हैं। दरअसल, Filmfare इवेंट में जब रणवीर स्टेज पर अवॉर्ड लेने पहुँचते हैं तो वहां उनके माता-पिता भी मौजूद थे। अपने स्ट्रगल डेज को याद करते हुए रणवीर बहुत ज्यादा भावुक हो जाते हैं।

क्या बोले रणवीर

अवार्ड शो के दौरान रणवीर कहते हैं, आपको याद है पापा 12 साल पहले मैं कोशिश कर रहा था और पोर्टफोलियो बनाना चाहता था।उस पोर्टफोलियो का कोटेशन 50 हजार रुपये आया था। मैंने कहा पापा ये तो बहुत महंगा है। तब पापा आपने कहा था कि फिक्र मत कर तेरा पापा हैं यहां। साथ ही रणवीर ने ये भी कहा कि मां आपको याद है ना छोटे वाले घर में मैं कितना खराब ऑडिशन देता था। ये बोलते-बोलते रणवीर भावुक हो गए। रणवीर का ये वीडियो सोशल मीडिया पर आग की तरह फैल रहा है। हर कोई इस वीडियो को देख रणवीर की तारीफ कर रहा है।

वर्कफ्रंट

रणवीर डायरेक्टर रोहित शेट्टी की फिल्म सर्कस में जैकलीन फर्नांडीस और पूजा हेगड़े के साथ नजर आएंगे। इसके अलावा वो आलिया भट्ट के साथ ह्यरॉकी और रानी की प्रेम कहानी में भी नजर आने वाले हैं।

सबा के साथ लिव-इन में रहने पर ऋतिक की सफाई:कहा- इस बात में कोई भी सच्चाई नहीं

बीते दिनों खबरें आ रही थी कि एक्टर ऋतिक रोशन और उनकी गर्लफ्रेंड सबा आजाद जल्द ही अपने रिलेशनशिप को एक स्टेप आगे लेकर जाने वाले हैं। दोनों एक साथ लिव इन में रहने का मन बना रहे हैं। इतना ही नहीं अफवाह थी कि कपल जिस अपार्टमेंट में शिफ्ट होने वाले हैं, उसकी कीमत 100 करोड़ रुपए है। हालांकि, अब ऋतिक ने लिव इन में शिफ्ट होने की खबरों को खारिज कर दिया है।

100 करोड़ का घर खरीदने की थी अफवाह

कुछ समय पहले यह खबर आई थी कि ऋतिक ने जुहू-वसोर्वा लिंक रोड के पास दो अपार्टमेंट खरीदे हैं। इन दोनों लग्जरी अपार्टमेंट की कीमत 97.50 करोड़ बताई जा रही थी। ये भी अफवाह थी कि सबा और ऋतिक का इस नए घर से अरेबियन सागर का शानदार व्यू देखने को मिलेगा। इस अपार्टमेंट की 15वीं और 16वीं मंजिल पर ऋतिक ने दो डुप्लेक्स खरीदा है। लेकिन अब ऋतिक ने यह साफ कर दिया है कि उनका ऐसा कोई भी प्लान नहीं है।

23 साल के कैस्पर रूड को हराकर 35 साल के जोकोविच छठी बार बने चैंपियन

फेडरर के रिकॉर्ड की बराबरी की

सर्बिया के पूर्व नंबर एक टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने छठी बार एटीपी फाइनल्स का खिताब अपने नाम किया है। उनहोंने इटली के ट्युरिन में खेले गए फाइनल मुकाबले में नॉर्वे के कैस्पर रूड को 7-5, 6-3 से हराकर टाइटल जीता। उन्होंने छह एटीपी फाइनल्स टाइटल जीतने के साथ ही स्विट्जरलैंड के पूर्व महान टेनिस खिलाड़ी रोजर फेडरर के रिकॉर्ड की बराबरी की। जोकोविच ने सात साल बाद यह खिताब अपने नाम किया है। इससे पहले उन्होंने 2008, 2012, 2013, 2014 और 2015 में भी यह खिताब जीता था।

यह टाइटल जीतने के साथ ही जोकोविच इस सीजन में अजेय रहे। साथ ही उन्हें टेनिस का सबसे बड़ा पे-चेक भी मिला। उन्हें 38.78 करोड़ रुपये इनाम के तौर पर मिले। अब अगले सीजन की शुरूआत जोकोविच ऑस्ट्रेलियन ओपन के साथ करेंगे। पिछले साल उन्हें वीजा कारणों से यह टूनार्मेंट नहीं खेलने दिया गया था। हालांकि, मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस साल उन्हें इजाजत दी जा सकती है।

एटीपी फाइनल्स के फाइनल में जोकोविच ने रूड को 7-5, 6-3 से हराया। पहले सेट में रूड ने जोकोविच को कड़ी टक्कर दी। हालांकि, दूसरे सेट में 21 बार के ग्रैंडस्लैम विजेता जोकोविच ने रूड को आसानी से शिकस्त दी। 35 साल के जोकोविच यह खिताब जीतने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी हैं। उन्होंने टाइटल जीतने के बाद कहा कि उनके लिए यह सफर आसान नहीं था। जोकोविच ने सेमीफाइनल में रूस के डेनिल मेदवेदेव को हराया था। यह मैच तीन सेट तक गया था।

एक साल तक काफी ऊंच-नीच के बाद जोकोविच ने साल का अंत सकारात्मक तरीके से किया है। उन्होंने कहा कि अब वह कुछ हफ्तों का ब्रेक लेंगे। जोकोविच ने कहा कि यह साल थोड़ा कठिन रहा क्योंकि उन्हें कहीं भी जाने के लिए इजाजत लेनी पड़ती थी। हालांकि, अब वह खुश हैं। सबसे ज्यादा ग्रैंडस्लैम जीतने के मामले में जोकोविच स्पेन के राफेल नडाल के बाद दूसरे नंबर पर हैं। नडाल के नाम 22 ग्रैंडस्लैम हैं। अगर ऑस्ट्रेलियन ओपन में जोकोविच खेलते हैं, तो वह इस रिकॉर्ड की बराबरी करने की कोशिश करेंगे।

सूचना

श्री हरि कुमार सुपुत्र श्री के लाल निवासी मोती बाग सराय रोहिल्ला के वाहन नंबर DL1RU0230 की एनओसी खोने की रिपोर्ट 16-11-2022 को दिल्ली पुलिस के ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज कराई गई है जिसकी प्रति संकलन है
श्री हरि कुमार खोई एनओसी को पुनः प्राप्त करने के लिए संबंधित विभाग में आवेदन कर रहे हैं
इस पर किसी को कोई आपत्ति हो तो इस नंबर पर 9716246040 पर संपर्क कर सकते हैं।

हिन्दी का राष्ट्रीय राजनैतिक साप्ताहिक
राजनीतिक तरकस
देश का सबसे तेज साप्ताहिक
राष्ट्रीय विचार, सटीक समाचार
प्रचार है तो व्यापार है,
अपने व्यवसाय, राजनीति से जुड़ी
वार /त्यौहार/ जयंती/ पुण्यतिथि/ चुनावी अभियान का विज्ञापन
अब देश के लोकप्रिय हिंदी अखबार
एवं डिजिटल न्यूज़ पोर्टल
'राजनीतिक तरकस'
में दें।
जुड़े अपनों के साथ ऑनलाइन बुकिंग की अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
Email:tarkasnews@gmail.com Mob:9990170069
Website: www.rajneetiktarkas.in